

2021 को कोरोना से जुड़े ये इश्योरेंस हैं काम के
IRDAI ने इस साल कोरोना बीमारी को देखते हुए कुछ हेल्थ इश्योरेंस और जनरल इश्योरेंस लॉन्च किए। इनमें कोरोना कवच, कोरोना रक्षक और आरोग्य संजीवनी प्रमुख हैं। जाने इन पॉलिसी के बारे में-

- | | |
|---|--|
| <p>1 कोरोना कवच</p> <ul style="list-style-type: none"> 18 से 65 साल का कोई भी शख्स इस पॉलिसी को ले सकता है। इस पॉलिसी में पॉलिसे होल्डर/परिवार कवर होता है। इस पॉलिसी को सप्ताहवारी बोनस 50 हजार रुपये से 5 लाख रुपये तक के यानी कोरोना पीड़ित मरीज को इलाज में खर्च के लिए 5 लाख रुपये से ज्यादा नहीं मिलेगा। अगर खर्च 5 लाख से ज्यादा आता है तो बाकी रकम मरीज को अपनी जेब से देनी होगी। इस पॉलिसी के लिए 3 तरह की अवधि तय की गई हैं। इनमें 105 दिन, 195 दिन और 285 दिन शामिल हैं। इसका प्रीमियम 1200 रुपये से 3800 रुपये (GST शामिल नहीं) के बीच है। प्रीमियम की रकम पॉलिसे लेने वाले शख्स की उम्र, पॉलिसे अवधि और पॉलिसे कवर की रकम पर निर्भर करती है। इस पॉलिसे का फायदा के लिए मरीज 24 घंटे अस्पताल में भर्ती रहना जरूरी है। कोरोना होने पर घर पर इलाज में खर्च होने वाली रकम भी इस पॉलिसे में कवर होती है। | <p>2 कोरोना रक्षक</p> <ul style="list-style-type: none"> 18 से 65 साल का कोई भी शख्स इस पॉलिसे को ले सकता है। इस पॉलिसे में सिर्फ पॉलिसे होल्डर ही कवर होता है। इस पॉलिसे में कोरोना पीड़ित को ₹ 50 हजार से ₹ 2.50 लाख तक की एकमुश्त रकम उसके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दी जाती है। इसके बाद इलाज में चाहे 50 हजार रुपये खर्च हो या 5 लाख। इस पॉलिसे के लिए भी 3 तरह की अवधि तय की गई हैं। इनमें 105 दिन, 195 दिन और 285 दिन शामिल हैं। इसका प्रीमियम 250 रुपये से 2200 रुपये (GST शामिल नहीं) के बीच है। प्रीमियम की रकम पॉलिसे लेने वाले शख्स की उम्र, पॉलिसे अवधि और पॉलिसे कवर की रकम पर निर्भर करती है। इस पॉलिसे का लाभ लेने के लिए मरीज को मरीज को 72 घंटे अस्पताल में भर्ती होना जरूरी है। इस पॉलिसे में घर में इलाज, अस्पताल में भर्ती होने से पहले या बाद में इलाज का कोई खर्च नहीं मिलता। |
|---|--|

इन बातों का रखें ध्यान

- कोई भी से कोई भी पॉलिसे हेल्थ इश्योरेंस जारी करने वाली कंपनी में अपनी से ले सकते हैं।
- कोई भी पॉलिसे का बेंचमार्क प्रीमियम 15 दिनों का है यानी इश्योरेंस की अवधि 15 दिनों के बाद शुरू होगी।
- एक शख्स के लिए सिर्फ एक ही इश्योरेंस कवच जारी नहीं कर सकते हैं। अलग-अलग कंपनियों से लेते हैं तो पाली कंपनी से सिर्फ इश्योरेंस अलग से जानना।
- कोरोना इश्योरेंस की रिपोर्ट सरकारी या मान्यता प्राप्त लैब की होने चाहिए। लैब के नाम अफिलरल डिसाइट icmr.gov.in पर देख सकते हैं।

3 इलाज के लिए बेहतर आरोग्य संजीवनी

IRDAI ने 1 अप्रैल, 2020 को आरोग्य संजीवनी हेल्थ इश्योरेंस पॉलिसे लॉन्च की। इस पॉलिसे को लॉन्च करने का IRDAI का मकसद है कि लोगों को न केवल सरता हेल्थ इश्योरेंस मिले बल्कि उन्हें क्लेम के समय ज्यादा परेशानी भी न होसनी पड़े। इस इश्योरेंस की खासियतें इस प्रकार हैं-

- इस इश्योरेंस में फिली भी बीमारी या घोट के इलाज में खर्च कवर होता है।
- इस इलाज से पहले और बाद में अपने खला खर्च भी कवर होता है।
- इस इश्योरेंस को लेने के लिए 45 साल की आयु तक किसी भी फकर को मैडिकल जॉब की जरूरत नहीं है।
- कोरोना का इलाज में इस इश्योरेंस में शामिल है।
- इस इश्योरेंस में अस्पताल में आयुर्बेद, हेल्थोपेथी आदि के जरूरत इलाज में होने वाले खर्च भी कवर होते हैं।
- घरटी बाद इश्योरेंस लेने पर 15 दिनों का प्री क्लेम प्रीरियम मिलता है। अगर इस पॉलिसे को सिंगुल क्लेम है तो प्री क्लेम प्रीरियम लागू नहीं होता।
- इस इश्योरेंस में ICU या ICU में इलाज के लिए 5% (10,000 प्रति दिन) का रकम कवर होती है। एकलिक इलाज की रकम कुल इश्योरेंस रकम पर निर्भर करती है।
- इसमें क्लेमिंग सेवा, मैडिकल रिसर्च, फ्लोरिड रिसर्च, डेटल केसर आदि भी शामिल है।
- अपने बीमारी के इलाज होने वाली 30 दिनों के बाद, अस्पताल में भर्ती होने के 30 दिन पहले तक का खर्च और अस्पताल से डिस्चार्ज होने के 60 दिन बाद तक का खर्च भी कवर होता है।
- प्रीमियम के पैरेंट के दिन सप्ताह लीके उपलब्ध है। पॉलिसे होल्डर इश्योरेंस प्रीमियम का रकम, पत्राई, निमाई या मॉरिफ आइडर पर भुगतान कर सकते हैं। प्रीमियम की रकम पूरे देश में एक जैसी रहेगी।

टिप्स, ट्रिक्स, आइडियाज

बीमारी के लिए बीमा



एक्सपर्ट पैनल

तन्वय गांधी
 CBO,
 पॉलिसे याजगर

मुरली सिंह बजा, डे-रिसेट
 अंडरसेक्रेटरी, बजट
 अडिक्शन जनरल इश्योरेंस

साल 2020 बहुत-से लोगों के लिए रोता के नजरिये से अच्छा नहीं रहा। इस साल लगभग शुरुआत में ही कोरोना ने कुछ लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। पाइथेट अस्पतालों में जब कोरोना के इलाज का खिल लाखों में आया तो ज्यादातर लोगों को हेल्थ इश्योरेंस की अहमियत पता चली। इसी दौरान सरकार ने भी बीमा कंपनियों को कोरोना के इलाज के लिए अलग से हेल्थ इश्योरेंस लाने के लिए कहा। साल 2020 में कौन-कौन से हेल्थ इश्योरेंस, कोरोना से संबंधित इश्योरेंस और टर्म इश्योरेंस लॉन्च हुए, इस बारे में एक्सपर्ट्स से बात करके जानकारी दे रहे हैं राजेश भारती।

एक साल पर किसी को गिफ्ट करे कोरोना रक्षक पॉलिसे

कोरोना, यह सल आ रहा है। कौन न नर सल में हम किसी दूसरे के लिए नक़ वक़म करे और उसे निरुद के करे पर कोरोना रक्षक पॉलिसे दे। यह पॉलिसे मरीज कोने के लिए इलाज की तरह है जो कोरोना लीके बीमारी होने पर मोटे कर्न के तले तव जाते हैं। बीमारी हो जाने पर बीमे की रकम लीके पॉलिसे होल्डर को मिलती है। मरीज चाहे सरकारी में भर्ती हो या प्राइवेट में।

इस खर्च में गैस, ड्रग्स, कौडीयर आदि को इसे गिफ़्ट कर सकते हैं। इसे खरीदन बहुत आसन है। पर बेटे ऑनलाइन खरीद सकते हैं।
 (पॉलिसे रकम/कवच ने खुद इसे अपने डॉक्टर/रिपॉर्ट के लिए रिक्वेस्ट है। 9 महीने की अवधि के लिए 2 लाख रु. के बीमा पर सालाना का बॉनस 6000 रु. आख। आख भी लेना हर लोके है।)

टर्म इश्योरेंस में भी बढ़ रहा लोगों का विश्वास

टर्म इश्योरेंस एक तरह से लाइफ इश्योरेंस ही होता है। इस इश्योरेंस में पॉलिसे होल्डर की मृत्यु के बाद नांमिनी या लीगल वारिस को साधारण लाइफ इश्योरेंस के मुकाबले ज्यादा रकम मिलती है ताकि मृतक के परिवार को निधरित आर्थिक सहायता मिल जा। साथ ही इसमें लाइफ इश्योरेंस के मुकाबले प्रीमियम कम जाता है। हालांकि काफी टर्म इश्योरेंस ऐसे होते हैं जिनमें प्रीमियम की जमा रकम वापस नहीं मिलती, जबकि लाइफ इश्योरेंस में जमा रकम ब्याज के साथ वापस मिल जाती है।

2021 में टर्म इश्योरेंस होगा 'सरल'

भारतीय बीमा विनियमक और विचारक प्राधिकरण (IRDAI) ने टर्म इश्योरेंस देने वाली सभी कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे 1 जनवरी 2021 से 'सरल जीवन बीमा' लेकर आए। यह एक स्टैंडर्ड टर्म लाइफ इश्योरेंस पॉलिसे है। इस पॉलिसे को लाने के पीछे IRDAI का उद्देश्य बेम रीमियम पर पॉलिसे होल्डर के परिवार को अधिक रकम देने का है ताकि पॉलिसे होल्डर के परिवार को आर्थिक समर्थता का समर्थन न करना पड़े। इस टर्म इश्योरेंस की खासियतें इस प्रकार हैं-

- इस इश्योरेंस में 5 लाख से 25 लाख रुपये तक का कवर दिया जागा।
- 18 से 65 साल का कोई भी शख्स इस टर्म इश्योरेंस को ले सकता है।
- इसका सालाना प्रीमियम 4,000 रुपये से लेकर 7,500 रुपये तक है।
- इस इश्योरेंस के फीचर, फायदे और सभी सर्वे सभी कंपनियों के पास एक जैसी होगी। ऐसे में इस पॉलिसे लेने वाले किसी भी कंपनी से खरीदना जा सकता है।
- सरल जीवन बीमा प्लान के साथ कवरेज IRDAI द्वारा मंथना प्राप्त प्रिक्लेरिड ऑफिसेट और परमोटेड डिस्क्रिबिटीड बेनिफिट राइडर भी खरीद सकते हैं।

टर्म इश्योरेंस खरीदने के लिए यह है योग्यता

टर्म इश्योरेंस देने वाली किसी भी कंपनी से ऑनलाइन या उसकी वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन खरीदना जा सकता है। इस इश्योरेंस के साथ 45 दिन का वॉटिंग प्रीरियम मिलेगा यानी अगर पॉलिसे सरल नहीं आती है तो खरीदने के 45 दिनों के भीतर इसे वापस किया जा सकता है। खरीदने में खर्च हुई पूरी रकम वापस मिल जाती है।

इसलिए आ रही है यह पॉलिसे

उपसरत, हमारे देश में कम इन्कम वाले लोग पॉलिसे लेने से कतराते हैं क्योंकि उनको लेनी उतनी नहीं होती कि वे इश्योरेंस का प्रीमियम भर सके। ऐसे लोगों के लिए इश्योरेंस लेना सबसे आसिये अधिभव होता है। ऐसे लोगों के लिए कम प्रीमियम पर यह पॉलिसे लाई जा रही है।

हेल्थ इश्योरेंस लेने वालों का बढ़ता निंबर

2020 के अखिरी कुछ महीनों में हेल्थ इश्योरेंस लेने वाली की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। अगले साल यानी 2021 में हेल्थ इश्योरेंस लेने वालों की संख्या और बढ़ेगी। यही सल 2020 में काफी कंपनी हेल्थ इश्योरेंस सल लेने के लोके आने की तैयारी में हैं।

सप्ताहवारी बोनस की वैल्यू भी बढ़ेगी

सल 2021 में लेना नक़ बीमारी के इलाज में होने वाली उच्च खर्च से समर्थन के लिए सेरे हेल्थ इश्योरेंस खरीदने पर सल देने हिससे सप्ताहवारी बोनस 25 लाख या इससे ज्यादा हो। साथ ही सेरी पॉलिसे जिनमें नक़ बीमारी का निदान होत हो एकमुश्त रकम मिलती है, उनको भी मस बढ़ेगी।